मुख्यमंत्री डॉ. यादव 4 सितंबर को सीहोर में सीजी की नई पॉवर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण इकाई के प्रथम ट्रांसफॉर्मर का करेंगे रोल-आउट

सीहोर में 2000 से अधिक रोजगार के अवसर होंगे सृजित

देश की सबसे बड़ी पॉवर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण सुविधा में 1200 केवी तक के ट्रांसफॉर्मर बनेंगे

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 4 सितंबर को सीहोर में सीजी (क्रॉम्पटन एंड ग्रीव्स) पॉवर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड की नई पॉवर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण इकाई के प्रथम ट्रांसफॉर्मर के रोल-आउट का शुभारंभ करेंगे। करीब 50 एकड़ में स्थापित यह इकाई एक ही स्थान पर स्थित भारत की सबसे बड़ी पॉवर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण सुविधा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगस्त 2025 में इस संयंत्र का भूमि-पूजन किया था और अब करीब 13 से 14 महीने में यहां उत्पादन प्रारंभ हो गया है। सीहोर में स्थापित यह आधुनिक इकाई देश में बढ़ती विद्युत जरूरतों को देखते हुए उच्च क्षमता वाले पॉवर ट्रांसफॉर्मर के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यहां 220 केवी से लेकर 1200 केवी श्रेणी के पॉवर ट्रांसफॉर्मर बनाए जाएंगे। इकाई की उत्पादन क्षमता हर माह 35 पॉवर ट्रांसफॉर्मर तैयार करने की होगी। इतनी बड़ी क्षमता वाली सुविधा एक ही स्थान पर स्थापित होने से देश में उच्च वोल्टेज ट्रांसमिशन उपकरणों के निर्माण को मजबूती मिलेगी।

सीहोर में तैयार होने वाले उच्च क्षमता के ट्रांसफॉर्मर देश के विभिन्न हिस्सों के साथ वैश्विक बाजारों तक भी पहुंचेंगे। इकाई में तैयार होने वाले ट्रांसफॉर्मर विद्युत क्षेत्र के साथ डेटा सेंटर, रेलवे, नवकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस तथा ट्रांसमिशन अधोसंरचना से जुड़ी परियोजनाओं में उपयोग किए जाएंगे। मध्यप्रदेश में बड़े औद्योगिक निवेश को तेजी से धरातल पर उतारने की दिशा में यह परियोजना महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार निवेश प्रस्तावों को वास्तविक उद्योगों में बदलने और उनसे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने पर है। सीजी की इस इकाई से सीहोर में 2000 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सीजी पॉवर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड विद्युत इंजीनियरिंग के क्षेत्र में करीब नौ दशकों से कार्य कर रही है। कंपनी ट्रांसफॉर्मर, स्विचगियर, इंडक्शन मोटर्स, ड्राइव्स, ट्रैक्शन मोटर्स और अन्य विद्युत उपकरणों का निर्माण करती है। सीहोर की नई इकाई कंपनी की पॉवर ट्रांसफॉर्मर निर्माण क्षमता को बड़े स्तर पर विस्तार देगी। सीहोर में बनने वाले बड़े और उच्च क्षमता वाले ट्रांसफॉर्मर से जहां देश की विद्युत जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी, वहीं इनके निर्यात से सीहोर और मध्यप्रदेश की औद्योगिक पहचान को भी नई दिशा मिलेगी। स्थानीय स्तर पर रोजगार के साथ इस इकाई से जुड़े अन्य कारोबारों के लिए भी अवसर बढ़ेंगे।

डॉ. यादव ने साहित्यकार श्रीकृष्ण सरल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रभक्ति, शौर्य और भारतीय इतिहास के अमर नायकों को अपनी ओजस्वी लेखनी से जन-जन तक पहुंचाने वाले साहित्यकार श्रीकृष्ण सरल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि श्रीकृष्ण सरल ने क्रांतिकारियों और वीर सपूतों के त्याग, संघर्ष और बलिदान को अपनी कालजयी रचनाओं से अमर देशवासियों के मन में राष्ट्रप्रेम और स्वाभिमान की चेतना जगाई। उनकी ओजस्वी लेखनी युवाओं को सदैव मातृभूमि के प्रति समर्पण और राष्ट्रगौरव की प्रेरणा देती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने ग्वालियर में किया पूर्व विधायक स्व. रघुवीर सिंह बाबूजी की प्रतिमा का अनावरण

नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष में सदैव आगे रहते थे स्व. बाबूजीः मुख्यमंत्री यादव

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा महाकाल ने सभी के जीवन का समय निश्चित किया है। प्रत्येक मनुष्य के कार्यों का मूल्यांकन आने वाली पीढ़ियां करती हैं। जननेता और समाजसेवी स्व. रघुवीर सिंह बाबूजी ने देश की आजादी के कालखंड में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बताए मार्ग पर चलते हुए अपना अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने युवा अवस्था में स्वतंत्रता के समर में सहभागिता के लिए अपने साथियों को प्रेरित किया। स्व. बाबूजी ने स्व. मावधराव सिंधिया के साथ नगर निगम से लेकर विधानसभा तक की यात्रा तय की। वे जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष में सदैव आगे रहते थे। स्व. बाबूजी ने ग्वालियर क्षेत्र के लिए कार्य करते हुए समाजसेवा की मिसाल पेश की। स्व. बाबूजी ने विद्यार्थी काल में दूसरे बच्चों को कुश्ती खेलने के लिए प्रेरित किया। ग्वालियर में स्थापित बाबूजी की प्रतिमा सभी को उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित करती रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को ग्वालियर के आकाशवाणी तिराहे पर पूर्व विधायक एवं नगर निगम परिषद के पूर्व नेता प्रतिपक्ष स्व. बाबू रघुवीर सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया।

बंसल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के दीक्षारंभ समारोह में नवागत विद्यार्थियों को दिए सफलता के मंत्र

हर संकल्प सफलता की राह खोलता है

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि जीवन में लिया गया प्रत्येक सकारात्मक संकल्प व्यक्ति को सफलता की दिशा में आगे बढ़ाता है। शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र निर्माण की सशक्त आधारशिला है।

उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्यों को हासिल करने का आह्वान किया। राज्यमंत्री गौर बुधवार को बंसल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट में आयोजित दीक्षारंभ समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने समारोह का शुभारंभ करते हुए संस्थान में प्रवेश लेने वाले नवागत विद्यार्थियों को सफल, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। राज्यमंत्री गौर ने कहा कि आज विद्यार्थियों के जीवन में एक नए सफर की शुरूआत हुई है।

मुख्यमंत्री ने श्योपुर में बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित किया

अब किसानों को सिंचाई के लिए दिन में भी उपलब्ध होगी बिजलीः डॉ. यादव

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों को सतत् रूप से सुविधाएं देने का कार्य किया जा रहा है, अब किसानों को सिंचाई के लिए दिन में भी बिजली की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे वे दिन के समय में भी अपनी फसलों में पानी दे सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कृषि उपज मंडी परिसर श्योपुर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव एवं किसान मेले को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने श्योपुर के किसानों से संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि उपज मंडी श्योपुर में किसानों के लिए नवीन विश्राम गृह निर्माण के लिये 60 लाख रूपये की घोषणा की। ग्वालियर एयरपोर्ट से कार्यक्रम से वर्चुअली जुडने के दौरान श्योपुर जिले के प्रभारी मंत्री एवं नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, वन विकास निगम के अध्यक्ष रामनिवास रावत और अपेक्स बैंक अध्यक्ष महेन्द्र सिंह यादव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्योपुर कहा कि प्रदेश में इस वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, जिसके तहत किसानों के कल्याण के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। किसानों के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण की सुविधा दी जा रही है। इसके तहत खरीफ एवं रबी फसलों के लिए 6-6 माह की अवधि ऋण चुकाने के लिए निर्धारित थी, जिसे बढाकर अब एक वर्ष कर दिया गया है, अर्थात किसान द्वारा जिस दिनांक से ऋण लिया जायेगा, उसे चुकाने की अवधि उस दिनांक से एक वर्ष तक की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आय बढाने के लिए पशुपालन को भी बढावा दिया जा रहा है। दुग्ध सहकारी समितियों का और अधिक संख्या में गठन किया जाये और दुग्ध उत्पादन को बढाया जायें। उन्होंने कहा कि श्योपुर जिले में धान और गेहूं का बम्पर उत्पादन तो होता ही है, बल्कि जिले के किसान मोटे अनाज का उत्पादन भी कर रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर 12वी कक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गत दिवस मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रूपये की राशि प्रदाय की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपील की कि बच्चों को पढ़ायें तथा फिजूलखर्ची को रोकें, समाज में ऐसी परम्परा डाले, जिससे शादी-विवाह सहित अन्य सामाजिक आयोजनों में अधिक खर्च न हों। सामूहिक विवाह सम्मेलनों के माध्यम से विवाह संपन्न करायें। इस अवसर पर उन्होंने सभी को जन्माष्टमी की बधाई भी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर किसानों से संवाद किया। इस दौरान ग्राम राडेप के किसान मुकुट चौधरी ने बताया कि शासन की योजना में कृषि अभियांत्रिकी के माध्यम से उन्हें पराली प्रबंधन के लिये कृषि यंत्र सब्सिडी पर प्राप्त हुए हैं, पराली प्रबंधन के लिए सुपर सीडर खरीदा था, जिस पर 1 लाख 20 हजार रूपये का अनुदान भी प्राप्त हुआ। बलराम कृषि महोत्सव एवं किसान मेले में आये किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा खेती-किसानी की नवीन तकनीकी और फसलों के संबंध में लाभदायक जानकारी प्रदान की गई है। बलराम कृषि महोत्सव एवं किसान मेले के दौरान पशुपालन, कृषि, उद्यानिकी, मत्स्यपालन, एनआरएलएम द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान नरेन्द्र चौधरी, भरत जाट, शिशुपाल मीणा, सोनू शर्मा, बनवारी मीणा, भुवनेश मीणा, पूरण प्रजापति, गोविद पटेलिया और मान सिंह पटेलिया को शॉल एवं प्रशस्ती पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कक्षा 12वी में उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के लिए मेधावी विद्यार्थियों में अंकुश मेहर, भूमिका माहौर, आशा गुर्जर, अनमोल मीणा, अभय गुर्जर, पूनम जाट, वैष्णवी जाट, दीनबंधु मीणा, करण मीणा और मयंक शर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

गोवा में मुख्य चुनाव आयुक्त ने बीएलओ के साथ किया संवाद

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने आज गोवा में बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के साथ सीधा संवाद किया। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से 1000 से अधिक बीएलओ ने सहभागिता की। अपने उद्घाटन संबोधन में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मतदाता सूची को विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का आधार स्तंभ बताते हुए कहा कि भारत में मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव कराने की प्रक्रिया संविधान, कानून तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप संचालित की जाती है। उन्होंने बीएलओ की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि वे भारत निर्वाचन आयोग और नागरिकों के बीच संपर्क के पहले बिंदु हैं। गोवा में मतदाता सूची तैयार करने एवं उसकी शुद्धता बनाए रखने में बीएलओ की महत्वपूर्ण भूमिका की उन्होंने सराहना की। मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा कि मतदाता सूची की अखंडता सुनिश्चित करने के साथ-साथ पूरी चुनाव प्रक्रिया का समवर्ती ऑडिट मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) तथा उम्मीदवारों के मतदान एवं मतगणना एजेंटों द्वारा भी किया जाता है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल को ब्रह्माकुमारी बहन ने बांधा शिव बाबा का रक्षा सूत्र

सच्चा रक्षाबंधन वही, जब आत्मा पांच विकारों से सुरक्षित हो : उप मुख्यमंत्री

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल को शिव बाबा का पवित्र रक्षा सूत्र बांधा गया। भोपाल जोन राजयोग भवन की डायरेक्टर राजयोगिनी बीके निर्मला बहन ने माउंट आबू से लाए गए रक्षा सूत्र से उप मुख्यमंत्री को पवित्रता, आत्मिक प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने ब्रह्माकुमारीज़ की बहनों द्वारा किए जा रहे आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज को जोड़ने वाली सेवा सबसे पुनीत सेवा है।

उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के पारंपरिक संबंध का पर्व नहीं, बल्कि आत्मिक प्रेम, पवित्रता और सद्भाव का संदेश देता है। 'सच्चा रक्षाबंधन वही, जब आत्मा पांच विकारों से सुरक्षित हो।' उन्होंने कहा कि काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे विकारों से स्वयं की रक्षा करना ही वास्तविक आत्मिक रक्षा है। पवित्र विचार और श्रेष्ठ संस्कार व्यक्ति के साथ समाज और राष्ट्र के विकास में भी सकारात्मक योगदान देते हैं।

एमपीएसईडीसी और आईआईएसईआर ने ड्रोन क्षेत्र के हितधारकों के साथ इंडस्ट्री राउंडटेबल की आयोजित

नवाचार के क्षेत्र में मप्र ने प्रस्तुत किया रोडमैप

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मध्यप्रदेश को ड्रोन निर्माण, परीक्षण, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में देश का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में राज्य शासन द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) द्वारा आईआईएसईआर भोपाल एवं ड्रोन क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों के साथ उच्चस्तरीय इंडस्ट्री राउंडटेबल आयोजित किया गया। प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री एम. सेल्वेंद्रन ने चर्चा में सहभागिता करते हुए ड्रोन क्षेत्र के विकास, निवेश और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए राज्य शासन की प्राथमिकताओं को साझा किया।

राउंडटेबल में ड्रोन क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों, स्टार्टअप्स, उद्योग संगठनों, अनुसंधान संस्थानों और इकोसिस्टम से जुड़े प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इनमें गरुड़, डीएफआई, आइडियाफोर्ज, एनएफएसयू, प्रखर और आईजेडआई सहित अनेक कंपनियों एवं संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रतिभागियों ने प्रदेश में ड्रोन निर्माण, परीक्षण, अनुसंधान एवं नवाचार के लिए सशक्त इकोसिस्टम विकसित करने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में ड्रोन क्षेत्र के लिए आवश्यक अधोसंरचना, परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधाएं, कौशल विकास, अनुसंधान सहयोग और ग्वालियर में प्रस्तावित ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग एंड टेस्टिंग क्लस्टर के विकास पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें ड्रोन निर्माण के लिए अधोसंरचना, साझा परीक्षण सुविधाएं, फ्लाइट टेस्टिंग क्षमताएं, नवाचार प्लेटफॉर्म और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रतिभा एवं कौशल विकास को शामिल किया गया है... साथ ही प्रोटोटाइप परीक्षण, प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट, स्टार्टअप इनक्यूबेशन और उभरती प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण को भी सहयोग मिलेगा।

वैज्ञानिक एवं डिजिटल विवेचना प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन भौतिकी, विष विज्ञान, डीएनए और...

बैलिस्टिक्स साक्ष्य प्रबंधन पर विशेषज्ञों ने दिया प्रशिक्षण

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

अपराधों की विवेचना को अत्याधुनिक, वैज्ञानिक और पुख्ता साक्ष्य-आधारित बनाने के उद्देश्य से अपराध अनुसंधान विभाग, पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित 03 दिवसीय विशेष फॉरेंसिक, वैज्ञानिक एवं डिजिटल विवेचना प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन विभिन्न तकनीकी व वैज्ञानिक सत्रों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

यह कार्यशाला विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज श्रीवास्तव के निर्देशन में तथा पुलिस उप महानिरीक्षक साकेत पाण्डेय, प्रशांत खरे एवं सहायक पुलिस महानिरीक्षक मनीष खत्री के सतत मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के दूसरे दिन राज्य के क्षेत्रीय एवं राज्य फॉरेंसिक साइंस प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारियों ने अलग-अलग विषयों पर गहन व्याख्यान और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

फॉरेंसिक भौतिकी एवं वॉयस साक्ष्य प्रबंधन- क्षेत्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला , भोपाल की वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. पूनम सिंह ने फॉरेंसिक भौतिकी और वॉयस में भौतिक साक्ष्य प्रबंधन तथा स्त्रस्रु की भूमिका पर व्याख्यान दिया। उन्होंने ध्वनि नमूनों, भौतिक अवशेषों के वैज्ञानिक संकलन, उनके संरक्षण एवं प्रयोगशाला अग्रेषण की मानक कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया। आरएफएसएल भोपाल के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. राजीव दुआ ने रासायनिक नमूनों, मादक पदार्थों, विषाक्त पदार्थों के संकलन तथा रखरखाव की बारीकियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विधिक साक्ष्य के रूप में रासायनिक नमूनों की शुद्धता बनाए रखना विवेचना की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। आरएफएसएल भोपाल के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. कमलेश कैथोलिया ने जैविक साक्ष्यों–जैसे रक्त, वीर्य, बाल, लार व अन्य शारीरिक द्रव्यों के वैज्ञानिक संकलन, पैकेजिंग, चेन ऑफ कस्टडी तथा डीएनए प्रोफाइलिंग में फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी की भूमिका पर विस्तृत तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने घटनास्थल को दूषित होने से बचाने और संकलित साक्ष्यों के सही प्रलेखन के व्यावहारिक गुर सिखाए।

बैलिस्टिक्स शाखा एवं शंका समाधान सत्र

अंतिम सत्र में राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला सागर के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी श्री रामदा कनेश ने बैलिस्टिक्स साक्ष्य प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया। इसमें आग्नेयास्त्रों, प्रयुक्त कारतूसों, गोलियों (बुलेट्स), गनशॉट रेजीड्यू के संकलन, संरक्षण तथा एफएसएल परीक्षण की प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सत्र के अंत में प्रतिभागियों की व्यावहारिक शंकाओं का भी समाधान किया गया। कार्यशाला का समापन 03 सितंबर को विशेष पुलिस महानिदेशक अपराध अनुसंधान विभाग पंकज श्रीवास्तव की उपस्थित में होगा। अंतिम दिन सीआईडी फोटोग्राफी शाखा के उप पुलिस अधीक्षक अमिताभ तिवारी द्वारा अपराध घटना स्थल फोटोग्राफी, डिजिटल साक्ष्य प्रस्तुतीकरण और उसके न्यायालयीन प्रमाणीकरण पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास अधीक्षक निलंबित

छात्रावास की बेहतर व्यवस्थाओं के लिये निर्देश जारी

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास, इंदरगढ़ ज़िला दतिया के अधीक्षक डॉ. डी.आर. राहुल को अपने पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाही एवं वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. साथ ही छात्रावास की बेहतर व्यवस्थाओं के लिए कलेक्टर द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। तहसीलदार इंदरगढ़ द्वारा अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास, इंदरगढ़ का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण उपरांत दिए गए प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर दतिया श्री स्वप्निल वानखड़े द्वारा आदेश जारी कर श्री डीआर राहुल अधीक्षक को म.प्र. सिविल सेवा अपील, नियंत्रण एवं वर्गीकरण नियम-1966 के नियम 9 के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में श्री राहुल का मुख्यालय कार्यालय जनजातीय कार्य विभाग दतिया रखा गया है। कलेक्टर द्वारा छात्रावास निवासरत छात्रों के लिए बेहतर व्यवस्थाओं हेतु निर्देश भी जारी किए गए हैं।

कलेक्टर द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि छात्रावास में विद्यार्थियों को निर्धारित मीनू एवं मापदण्ड के अनुसार गुणवत्तापूर्ण, ताजा एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। भोजन की गुणवत्ता एवं मात्रा की नियमित जांच की जाए। छात्रावास परिसर, छात्रावास कक्ष, रसोईघर, शौचालय एवं स्नानागार में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था रखी जाए। छात्रावास में निवासरत समस्त विद्यार्थियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए तथा बीमार विद्यार्थियों को तत्काल आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए।